

चंदा शरमाया तूने जब जब किया श्रंगार भजन लिरिक्स



चंदा शरमाया,
तूने जब जब किया श्रंगार,
मुस्कान तेरी प्यारी,
हुई दिल के आर पार,
मेरा दिल करता है बाबा,
तुझे देखूं बार बार। bdi

तर्ज - दर्पण को देखा।

सूरज की पहली किरणे भी,
देख तुझे शर्माती है,
तेरे इन होठों की लाली,
दिल घायल कर जाती है,
जब मुस्काए तू मोहन,
जब मुस्काए तू मोहन,
तो छा जाती है बहार,
चन्दा शरमाया,
तूने जब जब किया श्रंगार। bdi

आंखे हैं मस्ती की प्याली,
जो इनमें खो जाता है,
खो देता है अपनी सुध बुध,
बस तेरे गुण गाता है,
तेरी इसी अदा पे मोहन,
तेरी इसी अदा पे मोहन,
ये जग जाए बलिहार चंदा,
चन्दा शरमाया,
तूने जब जब किया श्रंगार। bdi

तीनो लोक तरसते मोहन,
दर्शन तेरा पाने को,
'सत्य' भी तेरे दर पे आया,
बाबा तुझे रिझाने को,
इसे अपनी शरण में ले ले,
इसे अपनी शरण में ले ले,
तुझे निरखे बार बार,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



चंदा शरमाया,
तूने जब जब किया श्रंगार,
मुस्कान तेरी प्यारी,
हुई दिल के आर पार,
मेरा दिल करता है बाबा,
तुझे देखूं बार बार।bd।

– गायक लेखक व प्रेषक –
सतेंद्र शर्मा महेंद्रगढ़।
9990335544